***Date*:** 05-01-2022
***Publication*:** Mint
***Edition*:** Pune

COAL INDIA

Taking cues from production/offtake rates, we believe H2FY22 may be far better for Coal India Ltd. Higher e-auction premium of Oct-Nov '21 and focus on the non-regulated sector in Dec '21 may improve profitability.

EDELWEISS SECURITIES (ON 3 JANUARY)

***Date*:** 05-01-2022
***Publication*:** Khabar Mantra
***Edition*:** Ranchi

विस्तारीकरण, उत्पादन क्षमता पर ध्यान दे कंपनी : प्रमोद अग्रवाल

कोल इंडिया अध्यक्ष ने की सीसीएल के कार्यो की समीक्षा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कोल इंडिया अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल ने मंगलवार को सीसीएल मुख्यालय दरभंगा हाउस में सीसीएल द्वारा किये गये कार्य की समीक्षा किया। बैठक में सीसीएल के सीएमडी पीएम प्रसाद, निदेशक (मार्केटिंग), कोल इंडिया, एसएन तिवारी, सीएमडी के तकनीकी सचिव आलोक सिंह सहित सीसीएल मुख्यालय के विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए उपस्थित थे। साथ

ही सभी क्षेत्रों के महाप्रबंधक एवं अन्यं अधिकारीगण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यहम से बैठक में भाग लिया। इस मौके पर सीसीएल सीएमडी पीएम प्रसाद ने कोल इंडिया अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल का स्वागत करते हुए उन्हें पावर प्वागइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से कंपनी की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। **(शेष पेज 11 पर)**

विस्तारीकरण, उत्पादन क्षमता ...

इसमे कोयला उत्पादन,एमडीओ (माईन डेवलपर एंड ऑपरेटर) मोड संबंधित प्रोजेक्ट, भूमि अधिग्रहण, नये वाशरी आदि के बारे में विस्तार से बताया। सीएमडी ने कहा कि सीसीएल अपने लक्ष्य की ओर सतत अग्रसर है। उन्होंने सभी क्षेत्रों के कोयला उत्पादन एवं अन्य बिन्दुओं पर अध्यक्ष को अवगत कराया। समीक्षा बैठक में प्रमोद अग्रवाल ने उपस्थित सभी महाप्रबंधक/विभागाध्यक्ष को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया जिससे कंपनी अपने कोयला उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त कर सके। उन्होंने परियोजना विस्तारीकरण, नये परियोजनाओं के उत्पादन क्षमता आदि पर विस्तार से चर्चा किया। इससे पूर्व श्री अग्रवाल ने झारखंड के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह से प्रोजेक्ट भवन में भेंट की। उन्होंने राज्य सरकार के सहयोग, कोयला उत्पादन एवं प्रेषण सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

***Date*:** 06-01-2022

***Publication*:** Hari Bhoomi
***Edition*:** Raipur

कोल इंडिया का व्यय बढ़ा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का पूंजीगत व्यय चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में 10,717 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। सीआईएल ने एक बयान में कहा कि अप्रैल-दिसंबर, 2021 के दौरान उसका पूंजीगत व्यय एक साल पहले की समान अवधि से 37.4 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2020-21 के पहले नौ महीनों में कंपनी ने 7,801 करोड़ रुपये का पूंजी व्यय किया था।भारी मशीनों की खरीद और संयुक्त उद्यमों के मद में हुआ। यह राशि 5,786 करोड़ रुपये रही।

***Date*:** 06-01-2022
***Publication*:** Virat Vaibhav
***Edition*:** Jaipur

दिसंबर में कोयला उत्पादन 6.7 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। देश का कुल कोयला उत्पादन दिसंबर, 2021 में 2019 की समान अवधि की तुलना में 6.74 प्रतिशत बढ़कर 7.47 करोड़ टन से अधिक रहा है। बीते साल दिसंबर में हुए कुल कोयला उत्पादन में सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख कंपनी कोल इंडिया लि. का हिस्सा 6.02 करोड़ टन रहा। इस माह में कोल इंडिया के उत्पादन में 3.79 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। कोयला मंत्रालय ने बुधवार को बयान में कहा कि देश का कुल कोयला उत्पादन दिसंबर, 2021 में 2019 के समान महीने की तुलना में 6.74 प्रतिशत बढ़कर 7.47 करोड़ टन पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2021-22 के कोयला उत्पादन के आंकड़ों की तुलना 2019-20 से की गई है, क्योंकि 2020-21 का साल कोविड-19 की वजह से लागू पाबंदियों के चलते वाणिज्यिक गतिविधियों के अनुकूल नही रहा।

***Date*:** 06-01-2022
***Publication*:** The Hindu Business Line
***Edition*:** Trivandrum

EDELWEISS SECURITIES

Coal India (Buy)

Target: ₹210
CMP: ₹153.7

Coal India (CIL) operating performance has improved further. Key highlights are: Production rate caught up with sales for the first time in FY22; Larger and more profitable subsidiaries showed a marked improvement in performance; Inventory declined slightly in Dec-21 to 28.6 mt; e-auction volume, after falling in Oct-21, has been improving steadily, particularly to the non-regulated sector; and rake availability has continuously improved. After hitting a trough of 241.9 rakes/day, the rake movement improved to 272.2 rakes/day in Nov-21.

Taking cues from the current rate, we expect CIL's FY22 offtake to rise 14 per cent y-o-y to 650–655 mt (our estimate: 643 mt)

Despite a lacklustre performance in H1-FY22, we expect H2-FY22 to be much better for CIL, led by higher e-auction premium and sales volume. Furthermore, the higher e-auction premium achieved in Oct-Nov-21 and focus on the non-regulated sector in Dec-21 are likely to improve profitability.

On the working capital front, we still do not see an inventory build-up. If the current offtake continues, we expect inventory to reduce to much lower levels by Mar-22 than 96.6 mt in Mar-21. Going by the possibility of better earnings and cash accretion, we maintain Buy on the stock with an unchanged target price of ₹210 (9x FY23 EPS).

Date: 06-01-2022
Publication: The Hindu Business Line
Edition: Kochi

CIL capex up 37% growth April-Dec 2021

Target is ₹17,000 cr for FY22, 28% more than the actual spend of ₹13,284 cr during FY21

OUR BUREAU

Kolkata, January 5

Coal India's capital expenditure has grown 37 per cent at ₹10,717 crore in April-December 2021, as compared with ₹7,801 crore same period in the previous year. The capex spend marks around 86 per cent of the progressive target achievement.

The country's largest coal miner's capex target is ₹17,000 crore for FY22, 28 per cent more than the actual capital expenditure of ₹13,284 crore during FY-21.

The capex scale-up comes at a time when the central government has been urging public sector entities to step up their annual capex. Capex is a key performance area which has a weightage value of 15 per cent in performance evaluation in the Memorandum of Understanding that CIL signs with Ministry of Coal at the beginning of every financial year.

The three major heads which accounted for nearly 54 per cent of the total capex at ₹5,786 crore include land acquisition, procurement of heavy earth moving machinery and joint ventures - primarily Hindustan Urvarak Rasayan Ltd and Talcher Fertilizers Ltd, said a press statement issued by CIL.

Construction of coal handling plants, silos with ₹ 1,344 crore and rail sidings and rail corridors at ₹1,785 crore made up for 29 per cent of CIL's entire capex during the first nine months of the fiscal. The company is focusing on increasing its evacuation capacity by rail by an additional 330 million tonnes per annum by FY24.

Capital expenditure on land acquisition at ₹2,490 crore, crucial for developing new mines and expansion was 121 per cent of the progressive target by the end of December 2021. The target for the period was fixed at ₹2,057 crore.

Procurement of earth moving machinery at ₹2,031 crore exceeded the progressive target of ₹1,783 crore by 14 per cent during this period.

"Our endeavour is to keep abreast of our capex targets. However, capex will be contingent on the demand for coal, sales realisation, and production needs. The investments will be made accordingly," a senior company official said in the statement.

***Date*:** 06-01-2022
***Publication*:** The Times of India
***Edition*:** Kolkata

CIL capex at ₹10.7k cr till Dec of FY22

TIMES NEWS NETWORK

Kolkata: Continuing the growth trend in its capital expenditure Maharatna PSU Coal India (CIL) has incurred a capital expenditure of Rs 10,717 crore till December of the ongoing financial year clocking a strong 37.4% year-on-year growth. Capex during April- December, 2020, was at Rs 7,801 crore.

A CIL official pointed out that the capex scale-up comes at a time when the Centre has been exhorting the public sector entities to step up their annual expenditure. CIL's capex during the referred period marked 86.3% of the progressive target achievement.

Capex is a key performance area which has a weightage value of 15% in performance evaluation under an MoU. CIL signs an MoU with the ministry of coal at the beginning of every financial year. The three major heads at Rs 5,786 crore that accounted for 54% of the total capex during April-December, 2021, were land acquisition, procurement of heavy earth moving machinery and JVs — primarily Hindustan Urvarak Rasayan and Talcher Fertilizers.

***Date*:** 07-01-2022
***Publication*:** Hindustan Hindi
***Edition*:** Ranchi

देसी कोयला उत्पादन बढ़ा आयात कम करेगी कोल इंडिया

धनबाद | विशेष संवाददाता

देसी कोयले का उत्पादन बढ़ाकर कोल इंडिया 2022 में देश में कोयले का आयात कम करने की रणनीति पर सक्रिय है। कोल इंडिया के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कोल इंडिया चेयरमैन ने वरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर 2022 का एजेंडा तय किया। कई तरह की बातें हुईं, लेकिन फोकस देश में कोयला आयात को घटाने के लिए देसी कोयले का उत्पादन बढ़ाने पर रहा। इसके अलावा विविधिकरण प्रोजेक्ट, जिसमें सोलर पावर, अल्युमिनियम प्रोजेक्ट आदि पर भी चर्चा हुई।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि झरिया पुनर्वास की विफलता से बीसीसीएल में खनन क्षेत्र का विस्तार प्रभावित है। दूसरी तरफ राजमहल परियोजना में भूमि संबंधी समस्या ईसीएल के लिए परेशानी का सबब है। राजमहल ईसीएल का सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र है। वर्तमान में राजमहल उत्पादन को लेकर सबसे निचले पायदान पर चालू वित्तीय वर्ष में आ गया है। यहीं बीसीसीएल कोकिंग कोल को लेकर देशभर में जाना जाता है। कोकिंग कोल महंगा कोयला है और कोकिंग कोल का आयात कम करने से ही विदेशी मुद्रा की ज्यादा बचत हो सकती है। अधिकारी ने बताया कि दोनों मसलों पर व्यापक स्तर पर विचार मंथन किया जा रहा है। इसके लिए 2022 में ठोस पहल की उम्मीद है। कोल इंडिया से लेकर कोयला मंत्रालय भी इस विचार मंथन में भागीदार है। बीसीसीएल में तो आबादी बहुल इलाके और कोकिंग कोल रिजर्व की समीक्षा की जा रही है। जिन क्षेत्रों में ज्यादा आबादी है और कोयला रिजर्व कम है, उन्हीं क्षेत्रों को पुनर्वास के लिए राज्य सरकार को सरेंडर किया जाएगा।

पांच साल में देश में कोयला आयात

वर्ष	कोकिंग कोल	नानकोकिंग कोल	कुल आयात
2016-17	41.64379	149.30926	190.95305
2017-18	47.00325	161.24542	208.24867
2018-19	51.83768	183.51033	235.34801
2019-20	51.83275	196.70383	248.53658
2020-21	51.28828	163.70662	214.99491

(कोयले की मात्रा मिलियन टन में)